**भारतीय विमानपत्त न प्राधिकरण**

**प्रेस विज्ञप्ति**

**विषय: मानव संसाधन विशेषज्ञ श्री के.के. झा द्वारा आदर्श स्थासपित**

हम लोगों ने धन का दान देने, रक्ती दान करने, ऑखें, हृदय एवं मानव शरीर के दूसरे अंगों को दान देने की बातें सुनी हैं, लेकिन आप ने कभी ऐसी ऐतिहासिक पुस्त्कों के खंडों को दान करने की बात सुनी है जिन्हेंत कोई व्यपक्ति अत्यंकत गौरव के साथ अपने पास हमेशा सहेज के रखता हो ।

हमारे समाज के प्रत्योक क्षेत्र में कुछ अपवाद भी हैं । श्री के.के. झा., एक विख्यासत मानव संसाधन विशेषज्ञ ने दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थाापित कर इस सीमा को लांघा है । ऐसा उन्होंधने अपने पास अत्यंएत गौरव के साथ सहेज के रखे गए गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा 1950 में प्रकाशित व्याौख्याे एवं हिन्दी् में अनुवाद सहित महाभारत के नौ खंड तथा संस्कृपत में महाभारत के दो खंडों को नई दिल्ली के एक सुविख्याीत शैक्षिक संस्थासन को दान दे करके किया है । यह संस्था न ऐसी प्रतिष्ठित पुस्तिकों के संग्रह के लिए जाना जाता है ।

प्राचीन समय के ये बहुमूल्य संग्रह अब भारतीय विद्या भवन, नई दिल्लीत के इंडोलॉजी पुस्त कालय केन्द्र में रखे गए हैं जिससे नई पीढ़ी को लाभ प्राप्त होगा जो वर्तमान परिदृश्य में, जहां कि हम अपना इतिहास और अपनी विरासत को भूल रहे हैं, बहुत जरूरी है ।

श्री के.के. झा., सदस्यत (मानव संसाधन), भा.वि.प्रा. के इस अनोखे विजन से भारतीय विमानपत्तकन प्राधिकरण की न केवल बेहतर छवि बनी है, बल्कि आने वाले दिनों में बहुत से लोगों को निश्चित रूप से इससे इस बात की प्रेरणा मिलेगी कि वे भी ऐसा करने हेतु आगें आएं ।

---

जनसम्पर्कविभाग द्वारा जारी
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
महाप्रबंधक(जनसम्पर्क) 9810025069ए 011-24622787
प्रेसविज्ञप्ति संख्या **No. 47 /2014-15**

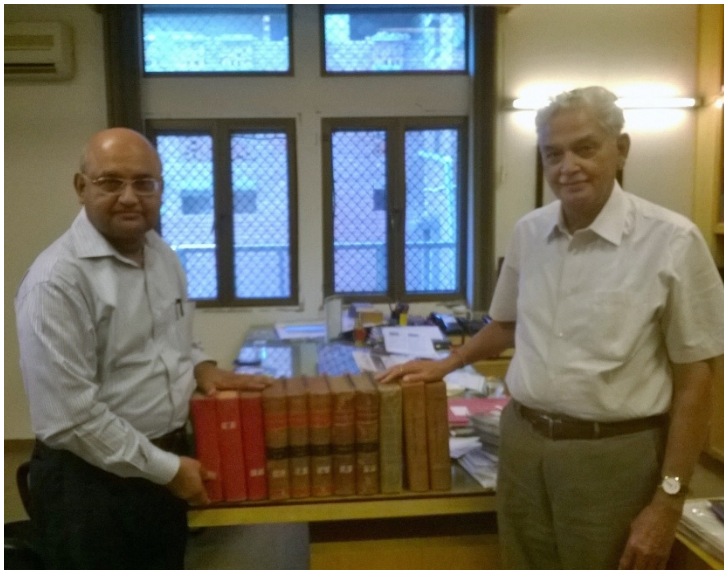

श्री के.के. झा., आई. आर. एस., सदस्य  (मानव संसाधन), भा.वि.प्रा. (बाएं) अपने पास अत्यंकत गौरव के साथ सहेज के रखे गए गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा 1950 में प्रकाशित व्यांख्यार एवं हिन्दीख में अनुवाद सहित महाभारत के नौ खंड तथा संस्कृ0त में महाभारत के दो खंडों को श्री अशोक प्रधान, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्तस), निदेशक, भारतीय विद्या भवन (दाएं) को सौंपते हुए । श्री के.के. झा. के इस अनूठे विजन की भारतीय विद्या भवन के निदेशक ने भूरि-भूरि प्रशंसा की । इससे भारतीय विमानपत्तमन प्राधिकरण की छवि को तो बढ़ाया ही है, साथ ही यह कदम आने वाले दिनों में लोगों को इस बात के लिए प्रोत्सा‍हन देगा कि वे भी ऐसा करने हेतु आगें आएं ।